यूनेस्को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची

❖ सन्दर्भ

➢ हाल ही में, बागुएट्टा (Baguette) नामक प्रधान फ्रेंच ब्रेड - को संयुक्त राष्ट्र की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में अंकित किया गया है।

बागुएट्टा (Baguette)

- Baguette आटा, पानी, नमक और खमीर से बना एक लंबा और पतला पाव ब्रेड है इसे फ्रांस में एक मुख्य आहार के रूप में खाया जाता है।
- कुछ लोगों का मानना है कि इसका आविष्कार अगस्त ज़ैंग ने किया था।
  - अगस्त ज़ैंग 1839 में वियना के एक बेकर और एक उद्यमी थे।
  - उन्होंने स्टीम ओवन का उपयोग करते हुए, दुनिया को नरम आंतरिक भाग वाली क्रस्टी ब्रेड के स्वाद से परिचित कराया।
  - 1920 में बागुएट्टा ने अपना आधिकारिक नाम प्राप्त किया।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत

- यूनेस्को के एक आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार- 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' में "मौखिक परंपराएं, प्रदर्शन कलाएं, सामाजिक प्रथाएं, अनुष्ठान, उत्सव की घटनाएं, प्रकृति और ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान और प्रथाएं या पारंपरिक शिल्प बनाने के लिए ज्ञान और कौशल सम्मिलित हैं।"
- यह "एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक इसके माध्यम से प्रसारित होने वाले ज्ञान और कौशल के धन" को महत्व देता है, जिसके लिए उनके संरक्षण की आवश्यकता होती है।
- 2003 में यूनेस्को के सामान्य सभा में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH) की सुरक्षा के लिए कन्वेंशन को स्वीकार किया है।
- यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची वर्ष 2008 में स्थापित की गई थी।

चयन के लिए मानदंड

● एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के लिए तीन मानदंड हैं

1) समुदायों, समूहों और, कुछ मामलों में, व्यक्तियों द्वारा उनकी सांस्कृतिक विरासत के भाग के रूप में मान्यता प्राप्त हो।
2) इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रसारित किया जाए। सम्बद्ध समुदायों और समूहों द्वारा उनके पर्यावरण, प्रकृति और उनके इतिहास पर गहन चर्चा की जाये।
3) समुदायों को पहचान और निरंतरता की भावना प्रदान करे जिससे सांस्कृतिक विविधता और मानव रचनात्मकता के लिए सम्मान में वृद्धि हो।

यूनेस्को सूची में भारत के अमूर्त सांस्कृतिक प्रतीक

- इस वर्ष, भारत ने यूनेस्को की ICH सूची में शिलालेख के लिए गरबा को नामांकित किया।
  - यह एक पारंपरिक नृत्य शैली है जिसकी उत्पत्ति गुजरात राज्य में हुई थी।
- वे तत्व जो अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में रहे हैं-
  - कोलकाता की दुर्गा पूजा (2021), कुंभ मेला (2017), नवरोज (2016), योग (2016)।
  - पंजाब के तांबे के कारीगरों के बीच बर्तन बनाने का पारंपरिक पीतल और तांबे का शिल्प (2014)।
  - संकीर्तन, मणिपुर (2013) का एक अनुष्ठानिक संगीत प्रदर्शन, और लद्दाख का बौद्ध जप (2012)।
  - 2011 से पहले, सूची में छऊ नृत्य, कालबेलिया लोक गीत और राजस्थान का नृत्य, और मुडियेट्टू, केरल का एक नृत्य नाटक (2010) शामिल थे।
  - राममन, हिमालय में गढ़वाल का एक धार्मिक उत्सव और रंगमंच प्रदर्शन (2009), और कुटियाट्टम या संस्कृत रंगमंच, और वैदिक मंत्रोच्चारण (2008)।
  - रामायण की एक पारंपरिक प्रस्तुति रामलीला को भी 2008 में शामिल किया गया था।

जो भारत में यूनेस्को सूची में नामांकन का प्रबंधन करने वाली संस्था :-

- संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत कई स्वायत्त निकाय देश के भीतर अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करते हैं।
- संगीत नाटक अकादमी एक नोडल संगठन है जो भारत में यूनेस्को सूची में नामांकन का प्रबंधन करने का कार्य करती है। इसके साथ ही यह अंतरराष्ट्रीय निकाय द्वारा मूल्यांकन के लिए भारत से अमूर्त सांस्कृतिक संस्थाओं के नामांकन को फाइल करती है।

G20 और UNSC (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद)

❖ सन्दर्भ

➢ 2022 का दिसंबर भारत द्वारा दो वैश्विक निकायों की अध्यक्षता संभालने के साथ आरम्भ हुआ। माह के पहले दिन भारत ने G20 की अध्यक्षता संभाली वहीँ दूसरे दिन UNSC की।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ,संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) के छह प्रमुख अंगों में से एक है।
- यह 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा स्थापित अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी है ।
- यह संयुक्त राष्ट्र के महासभा में नए सदस्यों के प्रवेश की अनुशंसा करता है तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर में होने वाले किसी भी परिवर्तन को मंजूरी प्रदान करता है ।
- मुख्यालय- न्यूयॉर्क

सदस्य-

- 15 सदस्य: पांच स्थायी सदस्य और दस अस्थायी सदस्य दो साल के लिए चुने जाते हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका, रूसी संघ, फ्रांस, चीन और यूनाइटेड किंगडम , वीटो (निषेधाधिकार) शक्ति वाले सदस्य हैं।
- भारत ने पिछले साल (2021) 8वीं बार यूएनएससी में गैर-स्थायी सदस्य के रूप में प्रवेश किया है। तथा भारत दो वर्ष तक अर्थात 2021-22 तक परिषद में बना रहेगा।
- महासभा दो साल के कार्यकाल के लिए पांच गैर-स्थायी सदस्यों (कुल दस में से) का चुनाव करती है। दस गैर-स्थायी सीटों को क्षेत्रीय आधार पर वितरित किया जाता है।
- परिषद की अध्यक्षता , हर महीने अपने 15 सदस्यों के बीच क्रमानुसार बदलती रहती है।

जी -20 :-

- G20 दुनिया की प्रमुख विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ने वाला एक रणनीतिक बहुपक्षीय मंच है।
- G20 भविष्य के वैश्विक आर्थिक विकास और समृद्धि को सुरक्षित करने में रणनीतिक भूमिका से प्रेरित है ।
- इसकी शुरुआत 1999 में वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर की एक बैठक के रूप में हुई थी।
- G20 सदस्य साझे रूप से विश्व सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत से अधिक, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के 75 प्रतिशत और विश्व जनसंख्या के 60 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बैठकें :-

- G20 एक वार्षिक शिखर सम्मेलन में विकसित हुआ है जिसमें राज्य और सरकार के प्रमुख शामिल हैं।
- समूह का अपना कोई स्थायी कार्यालय नहीं है, इसलिए प्रति वर्ष दिसंबर में रोटेशन के आधार पर एक G20 सदस्य देश , संस्था की अध्यक्षता ग्रहण करता है।

कार्य

- यह वैश्विक अर्थव्यवस्था से संबंधित प्रमुख मुद्दों, जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता, जलवायु परिवर्तन शमन, और सतत विकास को संबोधित करने के लिए कार्य करता है।

संक्षिप्त सुर्खियां

ग्लोबल वेज रिपोर्ट 2022-2023

❖ सन्दर्भ

➢ हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने ग्लोबल वेज 2022-2023 रिपोर्ट जारी की।

❖ प्रमुख बिंदु

➢ **कुल वेतन बिल :-** यह किसी भी समय कर्मचारियों द्वारा प्राप्त वेतन तथा समस्त मजदूरी का योग को संदर्भित करता है। रिपोर्ट के अनुसार कुल वेतन बिल 2020 में रोजगार की कमी परिणामस्वरूप घटा वहीं जबकि 2021 तथा 2022 में, मुद्रास्फीति के कारण इसमें व्यापक कमी

देखी गई।

- जिन देशों के लिए ,पहले से ही न्यूनतम मजदूरी पर डेटा उपलब्ध थे, उनमें से अधिकांश देशो में 2020-2022 के दौरान न्यूनतम मजदूरी में वास्तविक रूप से गिरावट आई है। यह स्थिति जीवन यापन के संकट का सामना करने के लिए "मुद्रास्फीति समायोजित न्यूनतम मजदूरी" की आवश्यकता को बताती है।
- 2020 से 2022 तक महिलाओं को रोजगार का अधिक नुकसान हुआ। इसका मुख्य कारण यह है कि कम वेतन वाली नौकरियों तथा अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में उनका प्रतिनिधित्व अधिक है।
- 2019 और 2022 के बीच वेतन असमानता में बदलाव मिश्रित परिणाम दिखाते हैं, कुछ देशों में बढ़ रहे हैं और अन्य देशों में घट रहे हैं।
- लैंगिक वेतन अंतर देशों और क्षेत्रों में उच्च बना हुआ है। जैसा कि पिछली ग्लोबल वेज रिपोर्ट में बताया गया है, महिलाओं को पुरुषों की तुलना में औसतन 20 प्रतिशत कम भुगतान किया जाता है ; तथा यह स्थिति अभी भी बनी हुई है।

रिपोर्ट के विषय में :-

- यह रिपोर्ट राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर मजदूरी के रुझान और नीतियों पर इसकी प्रमुख रिपोर्टों में से एक है।
- यह वैश्विक अर्थव्यवस्था और श्रम बाजार और वेतन पर महामारी के पड़ने वाले प्रभाव को अवलोकित करता है।

विकलांग व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य समता पर वैश्विक रिपोर्ट 2022

❖ सन्दर्भ :-

- हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा विकलांग व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य समानता पर वैश्विक रिपोर्ट 2022 जारी की गई।
- इसे विकलांग (दिव्यांग) जनो के अंतर्राष्ट्रीय दिवस (3 दिसंबर) से पहले जारी किया गया था।

❖ रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- ➢ वैश्विक आबादी के 16% लोग ,अनुमानित रूप से 1.3 अरब लोग , एक महत्वपूर्ण अक्षमता का अनुभव करते हैं।
- बहुत से विकलांग (दिव्यांग) लोगों की मृत्यु समय से पहले हो जाती है , जिसके लिए अंतर्निहित स्वास्थ्य स्थितियों के लिए नहीं बल्कि प्रणालीगत और व्यापक स्वास्थ्य असमानताओं के कारण उत्पन्न हुए , अनुचित और अन्यायपूर्ण परिस्थितियों को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।
- » उन्हें अस्थमा, अवसाद, मधुमेह, मोटापा, दंत विकार और स्ट्रोक जैसी पुरानी बीमारियों के होने से दोहरे जोखिम का सामना करना पड़ सकता है।

कारक

इस रिपोर्ट ने कई कारकों की पहचान की है जो स्वास्थ्य परिणामों में अंतर को सपष्ट करते हैं। इसमे निम्नलिखित सम्मिलित हैं –

- स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का शत्रुतापूर्ण रवैया।

- स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के प्रारूप के समझ में कमी।
- भौतिक बाधाएँ, परिवहन की कमी या वित्तीय बाधाएँ स्वास्थ्य सुविधाओं को दुर्गम बनाती हैं।

इन कारकों को संबोधित करना कठिन हो सकता है क्योंकि अनुमानित 80 प्रतिशत विकलांग निम्न और मध्यम आय वाले ऐसे देशों में रहते हैं जहां सीमित संसाधन और सुविधाएं हैं।

पीएम दक्ष कार्यक्रम

❖ प्रसंग

➢ हाल ही में, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने सूचित किया कि पीएम-दक्ष (प्रधानमंत्री दक्ष और कुशल संपन्न हितग्राही) कार्यक्रम के तहत लगभग 5 लाख लोगों को लाभ मिला है।

❖ पीएम दक्ष कार्यक्रम के बारे में

यह कूड़ा बीनने वालों सहित अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, ईबीसी, डीएनटी, सफाई कर्मचारियों के वंचित व्यक्तियों को कवर कर उनके कौशल के लिए एक राष्ट्रीय कार्य योजना है।

■ इसे सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (MoSJ&E), भारत सरकार द्वारा 2020-21 में लॉन्च किया गया था।

➢ उद्देश्य

■ प्रथम वर्ष अर्थात 2021-22 में लगभग 0.5 लाख युवाओं से शुरू करके अगले 5 साल में 2.7 लाख लोगों की चौतरफा योग्यता और योग्यता में सुधार करने के लिए निम्नलिखित वर्गों से लक्ष्य समूह के सुधार से सम्बंधित है।

- कारीगर - अपने पेशे के भीतर अपनी राजस्व सृजन क्षमता में सुधार करने में सक्षम हो सकते हैं,
- महिलाएं - स्व-रोजगार में प्रवेश करने में सक्षम हो सकती हैं, जिससे वे अपनी घरेलू गतिविधियों की उपेक्षा किए बिना खुद को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकती हैं।
- लक्षित समूहों के युवा - रोजगार बाजार में उन्हें बेहतर स्थिति देने के लिए रोजगार योग्य व्यवसायों में दीर्घकालिक प्रशिक्षण और विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

➢ पात्रता

- अनुसूचित जाति के व्यक्ति- कोई वार्षिक आय सीमा नहीं
- अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) - वार्षिक पारिवारिक आय 3.00 लाख रुपये से कम।
- आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग- जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 1.00 लाख रुपये से कम है
- गैर-अधिसूचित, खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश जनजाति (डीएनटी) - कोई वार्षिक आय सीमा नहीं।
- सफाई कर्मचारी - कोई वार्षिक आय सीमा नहीं।

कम्पोजिट लाइसेंस

❖ सन्दर्भ

> वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने एक ज्ञापन जारी कर बीमा क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले विधायी ढांचे के व्यापक संशोधन के संबंध में विभिन्न हितधारकों से टिप्पणियां मांगी हैं।

❖ मुख्य बिंदु

> बीमा क्षेत्र को , कानून बीमा अधिनियम 1938 और IRDA अधिनियम 1999 द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

➢ वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने अधिक प्लेयर्स के प्रवेश की सुविधा, पूंजी की आवश्यकता में कमी और समग्र (कम्पोजिट) लाइसेंस जारी करने का प्रस्ताव दिया है।

➢ कम्पोजिट लाइसेंस जीवन बीमा और सामान्य बीमा , दोनों में काम करने के लिए एक सामान्य लाइसेंस है।

➢ इसका मतलब है कि एक जीवन बीमाकर्ता , मोटर या स्वास्थ्य व्यवसाय जैसे गैर-जीवन बीमा क्षेत्र में प्रवेश कर सकता है जो अब तक प्रतिबंधित था ।

एलालाइट और एल्किन्स्टनटोनाइट

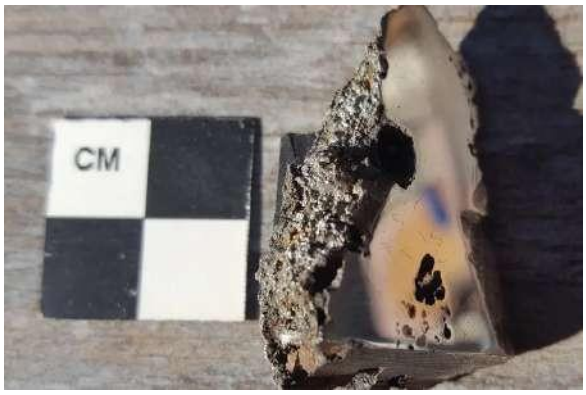

❖ **प्रसंग**

➢ हाल ही में, वैज्ञानिकों ने अब तक के पाए गए सबसे बड़े उल्कापिंडों में से एक के अंदर दो नए खनिजों की खोज की है।

❖ **मुख्य बिंदु**

- ➢ सोमालिया के एल अली में मिले एक उल्कापिंड में दो नए खनिजों की खोज की गई।
- ➢ इस विशाल चट्टान का वजन 17 टन जितना है। इसे पृथ्वी पर शीर्ष 10 सबसे बड़े उल्कापिंडों में रखा गया है।
- ➢ जहां उल्कापिंड पाया गया था, उसके पास के शहर के नाम पर पहले खनिज का नाम एलालाइट रखा गया था। नासा के मार्स मिशन के प्रमुख अन्वेषक लिंडी एल्किंस-टैंटन के नाम पर दूसरे को एल्किन्स्टनटोनाइट नाम दिया गया था।
- ➢ दोनों खनिज लोहा, पोलोनियम और ऑक्सीजन से बने होते हैं।

➢ **महत्व**

■ एलालाइट और एल्किन्स्टनटोनाइट नई भूगर्भीय और रासायनिक प्रक्रियाओं को इंगित करने में मदद कर सकते हैं, तथा अंततः नए अनुप्रयोगों को में सहायक हो सकते हैं।

पम्बन ब्रिज

❖ **प्रसंग**

- ➢ » हाल ही में, रेल मंत्रालय ने यह सूचित किया है कि भारत के पहले बहुप्रतीक्षित वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज - न्यू पंबन ब्रिज का 84% काम पूरा हो गया है।

❖ **मुख्य बिंदु**

- ➢ यह 2.05 किमी लंबा पंबन रेलवे पुल रामेश्वरम द्वीप को तमिलनाडु की मुख्य भूमि से जोड़ेगा।
- ➢ यह अत्याधुनिक ब्रिज देश का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज होगा और इसके मार्च 2023 तक पूरा होने की उम्मीद है।
- ➢ रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) द्वारा ₹535 करोड़ की लागत से समुद्री पुल का निर्माण किया जा रहा है।
- ➢ पुल भारतीय रेलवे को तेज गति से ट्रेनों का संचालन करने की अनुमति देगा।

- यह भारत की मुख्य भूमि और रामेश्वरम द्वीप के मध्य यातायात को भी बढ़ावा देगा।
- मौजूदा पम्बन रेल ब्रिज, जो रामेश्वरम को भारत की मुख्य भूमि से जोड़ता है, 105 साल पुराना है।
- इसे मन्नार की खाड़ी में स्थित रामेश्वरम द्वीप से जोड़ने के लिए मूल पुल 1914 में बनाया गया था।
- ➢ 1988 में समुद्री लिंक के समानांतर एक नया सड़क पुल बनाए जाने तक इन दोनो स्थानों को जोड़ने वाला यह एकमात्र लिंक था।

समृद्धि कॉरिडोर

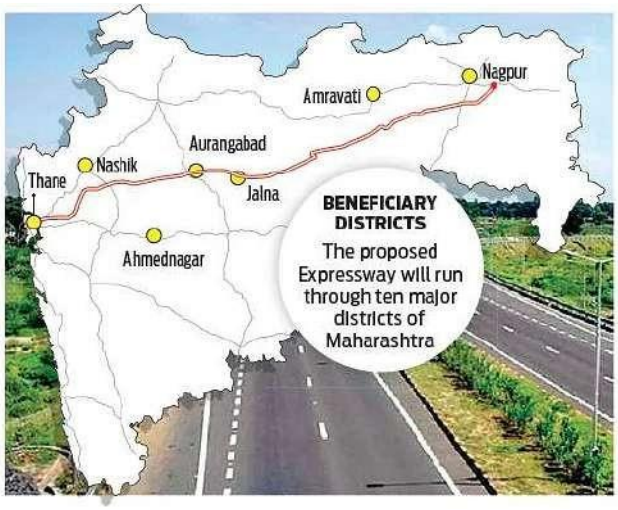

❖ सन्दर्भ

- बहुप्रतीक्षित नागपुर-मुंबई सुपर कम्युनिकेशन एक्सप्रेसवे ,जो देश की सबसे लंबी ग्रीनफील्ड सड़क परियोजना है , का उद्घाटन भारत के प्रधान मंत्री द्वारा 11 दिसंबर को किया जाएगा।

❖ मुख्य बिंदु

- इसे औपचारिक रूप से द हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग के रूप में जाना जाता है।
- यह नया एक्सप्रेसवे मुंबई को नागपुर से जोड़ता है।
- एक्सप्रेसवे दस जिलों नागपुर, वर्धा, अमरावती, वाशिम, बुलढाणा, औरंगाबाद, जालना, अहमदनगर, नासिक और ठाणे से होकर गुजरता है।
- यह अन्य चौदह जिलों चंद्रपुर, भंडारा, गोंदिया, गढ़चिरौली, यवतमाल, अकोला, हिंगोली, परभणी, नांदेड़, बीड, धुले, जलगाँव, पालघर और रायगढ़ को जोड़ेगा। इस परकार महाराष्ट्र के कुल चौबीस जिले इस एक्सप्रेसवे से जुड़ेंगे.
- यह कई औद्योगिक क्षेत्रों, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (DMIC), वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (WDFC) और वर्धा और जालना के सूखे बंदरगाहों को जोड़ेगा।
- इसका देश के सबसे बड़े कंटेनर पोर्ट जेएनपीटी से सीधा संपर्क होगा। इससे राज्य में एक्जिम व्यापार बढ़ेगा।
- **यह तीन वन्यजीव अभ्यारण्यों से होकर गुजरती है-**
  i. अकोला के कटेपूर्णा वन्यजीव अभयारण्य से 6 किमी.
  ii. वाशिम में करंजा-सोहोल ब्लैक बक अभयारण्य से 15 किमी.
  iii. ठाणे में तानसा वन्यजीव अभयारण्य से 975 कि.मी.
- मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे या ई-वे (औपचारिक रूप से यशवंतराव चव्हाण एक्सप्रेसवे) के बाद यह राज्य में दूसरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com